



मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान

आयुष मंत्रालय, भारत सरकार

68, अशोक मार्ग, नई दिल्ली-110001



डॉ. ज्योति केशवानी

निदेशक, मो.दे.रा.यो.सं.



द्वारा



प्रो. कृष्णकांत शर्मा

पूर्व प्रो., वैदिक दर्शन विभाग
संकाय-एसवीडीवी, बीएचयू, वाराणसी

पातंजल योग सूत्र: विभूति पाद (व्यास भाष्य के आलोक में)

पर

राष्ट्रीय कार्यशाला

स्थान

मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान

आयुष मंत्रालय, भारत सरकार



संयोजक

डॉ. इन्दु शर्मा

सहायक आचार्य
योग शिक्षा, मो.दे.रा.यो.सं.



मो.दे.रा.यो.सं. के बारे में

मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (मो.दे.रा.यो.सं.) भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त संगठन है। मो.दे.रा.यो.सं., योग शिक्षा, चिकित्सा और अनुसंधान के अपने सभी आयामों में योजना, प्रशिक्षण, संवर्धन और समन्वय के लिए एक केंद्र संस्थान है। मो.दे.रा.यो.सं.का उद्देश्य लोगों के बीच शास्त्रीय योग पर आधारित योग दर्शन और प्रथाओं की गहरी समझ को बढ़ावा देना है। संस्थान का मुख्य विज़न और मिशन योग के माध्यम से सभी के लिए स्वास्थ्य, सद्भाव और खुशी प्रदान करना है।

कार्यशाला के बारे में

योग सूत्रों को व्यापक रूप से योग के आधिकारिक पाठ के रूप में माना जाता है। यह छह दर्शनशास्त्रों में से एक है। भारतीय दर्शन का अंतिम लक्ष्य त्रिविध दुखों से मुक्ति है, जो शुद्ध ज्ञान प्राप्त करके संभव है। योग दर्शन का ज्ञान इसी पर केंद्रित है। अनुमान है कि यह पाठ लगभग 200 ईसा पूर्व से 400 ईस्वी के बीच महर्षि पतंजलि द्वारा लिखा गया था। यह पहला योग ग्रन्थ है जो योग के सिद्धांत और दर्शन को संहिताबद्ध और व्यवस्थित तरीके से प्रस्तुत करता है।

यह शास्त्रीय योग का सबसे महत्वपूर्ण ग्रन्थ है और योग सूत्र को पढ़ना, प्रत्येक साधक और योग शिक्षक से अपेक्षित है। 195 सूत्रों के साथ, महर्षि पतंजलि जी के योग सूत्र में चार पाद (अध्याय) हैं:

- समाधि पाद (ज्ञानोदय पर अध्याय)
- साधन पाद (अभ्यास पर अध्याय)
- विभूति पाद (सिद्धियों पर अध्याय)
- कैवल्य पाद (मुक्ति पर अध्याय)

यह कार्यशाला, व्यास जी की टिप्पणी के साथ, पातंजल योग सूत्र के तीसरे अध्याय, विभूति पाद पर केंद्रित होगी। विभूति पाद 55 सूत्रों से युक्त है। विभूति पाद में अष्टांग योग के अन्तरंग साधनों, संयम के साथ-साथ सिद्धियों का विस्तार से वर्णन किया गया है। इसी क्रम में आगे विवेकज्ञान के उपायों को कहकर तारक नामक ज्ञान का भी विवेचन किया गया है। व्यास जी की टिप्पणी को एकीकृत करके, यह कार्यशाला स्पष्टता, ऐतिहासिक संदर्भ और विविध दृष्टिकोण प्रदान करेगी।

लक्ष्य:

व्यास जी की प्रामाणिक टिप्पणी के साथ महर्षि पतंजलि द्वारा रचित योग सूत्र के मूल पाठ की समझ प्राप्त करना।

विशेष व्याख्यान

उद्घाटन और समापन कार्यक्रमों में विशेष संबोधन देने के लिए योग सूत्र के प्रख्यात विशेषज्ञों को आमंत्रित किया जाएगा।

राष्ट्रीय कार्यशाला (ऑफ़लाइन मोड) कार्यक्रम विवरण

प्रथम दिवस (26.10.2026, सोमवार)

समय	कार्य विवरण
पूर्वाह्न 09:00 बजे से 10:00 बजे तक	योग सूत्र पाठ एवं ध्यान
पूर्वाह्न 10:00 बजे से 11:30 बजे तक	उद्घाटन
पूर्वाह्न 11:30 बजे से अपराह्न 12:00 बजे तक	जलपान
पूर्वाह्न 12:00 बजे से अपराह्न 2:00 बजे तक	सत्र 1

द्वितीय दिवस (27.10.2026, मंगलवार)

समय	कार्य विवरण
पूर्वाह्न 09:00 बजे से 10:00 बजे तक	योग सूत्र पाठ एवं ध्यान
पूर्वाह्न 10:00 बजे से 11:30 बजे तक	सत्र 2
पूर्वाह्न 11:30 बजे से 12:00 बजे तक	जलपान
पूर्वाह्न 12:00 बजे से अपराह्न 2:00 बजे तक	सत्र 3

तृतीय दिवस (28.10.2026, बुधवार)

समय	कार्य विवरण
पूर्वाह्न 09:00 बजे से 10:00 बजे तक	योग सूत्र पाठ एवं ध्यान
पूर्वाह्न 10:00 बजे से 11:30 बजे तक	सत्र 4
पूर्वाह्न 11:30 बजे से 12:00 बजे तक	जलपान
पूर्वाह्न 12:00 बजे से अपराह्न 2:00 बजे तक	सत्र 5

चतुर्थ दिवस (29.10.2026, गुरुवार)

समय	कार्य विवरण
पूर्वाह्न 09:00 बजे से 10:00 बजे तक	योग सूत्र पाठ एवं ध्यान
पूर्वाह्न 10:00 बजे से 11:30 बजे तक	सत्र 6
पूर्वाह्न 11:30 बजे से 12:00 बजे तक	जलपान
पूर्वाह्न 12:00 बजे से अपराह्न 2:00 बजे तक	सत्र 7

पंचम दिवस (30.10.2026, शुक्रवार)

समय	कार्य विवरण
पूर्वाह्न 09:00 बजे से 10:00 बजे तक	योग सूत्र पाठ एवं ध्यान
पूर्वाह्न 10:00 बजे से 11:30 बजे तक	सत्र 8
पूर्वाह्न 11:30 बजे से 12:00 बजे तक	जलपान
पूर्वाह्न 12:00 बजे से अपराह्न 2:00 बजे तक	सत्र 9
अपराह्न 2:00 बजे से 3:00 बजे तक	समापन समारोह

सामान्य दिशानिर्देश

प्रवेश क्षमता: पंजीकरण 80 सीटों तक सीमित है और यह पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर किया जाएगा।

शिक्षण का माध्यम: हिन्दी भाषा को प्राथमिकता दी जाएगी

पात्रता मापदण्ड:

योग/संस्कृत/दर्शनशास्त्र/स्वास्थ्य वृत्त (आयुर्वेद) में स्नातक (यूजी), स्नातकोत्तर (पीजी) डिग्री और डिप्लोमा के छात्र

कार्यशाला शुल्क: ₹. 500/-

टिप्पणी:

- पंजीकरण के बाद, किसी भी परिस्थिति में प्रतिभागी को पंजीकरण शुल्क वापस नहीं किया जाएगा।
- सभी प्रतिभागियों को भागीदारी प्रमाणपत्र प्रदान किए जाएंगे।
- प्रमाण पत्र के लिए सभी सत्रों में उपस्थिति अनिवार्य होगी।

पंजीकरण की अंतिम तिथि : 15 अक्टूबर, 2026 हैं।

पंजीकरण लिंक: <https://forms.gle/yChGc5PC2HaWRSRb9>



मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान

आयुष मंत्रालय, भारत सरकार

68, अशोक रोड, नई दिल्ली-110001

फोन: 011-23730418

ई-मेल: dir-mdniy@nic.in वेबसाइट: www.yogamdniy.nic.in